MR. CHAIRMAN: Please make the information available to the Ministry.

SHRI BHUBANESHWAR KALITA: It has come in the newspapers.

MR. CHAIRMAN: Give the details to the hon. Minister; and he will inquire into it. Q. No. 155, Shri K.T.S.Tulsi.

Projects under Namami Gange Programme

*155. SHRI K.T.S. TULSI: Will the Minister of WATER RESOURCES, RIVER DEVELOPMENT AND GANGA REJUVENATION be pleased to state:

(a) the total number of projects sanctioned by Government under Namami Gange Programme, since it was launched in 2015; and

(b) the total number of projects completed, so far and the details thereof?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES, RIVER DEVELOPMENT AND GANGA REJUVENATION (SUSHRI UMA BHARTI): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Under National Ganga River Basin Authority (NGRBA), Namami Gange Programme, total 163 projects for various activities such as sewage infrastructure, river front development, ghat and crematoria, ghat cleaning, rural sanitation etc. have been sanctioned. Out of 163 projects, 41 numbers of projects have been completed so far. Total 86 projects have been sanctioned after 2015. Details are as under:

Projects status till date

Sl. No.	Projects Undertaken	Total No. of Projects	No. of Project after 2015	No. of Projects Completed
1	2	3	4	5
1.	Sewage Infrastructure	81	38	14
2.	River Front Development	3	1	0
3.	Ghats and Crematoria	59	35	24
4.	River Surface Cleaning	1	1	0
5.	Ghats Cleaning	1	1	0

1.00 P.M.

1	2	3	4	5
6.	Institutional Development/CPCB	5	0	1
7.	Project Implementation Support/Research & Study Projects/Afforestation & Biodiversity	12	9	2
8.	Rural Sanitation-UNDP	1	1	0
	GRAND TOTAL	163	86	41

SHRI K.T.S. TULSI: Sir, they have taken three years to complete 41 projects whereas there are 163 projects which have already been sanctioned. So, are we going to take 50 years to complete these projects? Will the Ganga River ever be clean or would it take 100 years? What is the reasonable prospect? I want to know this from the hon. Minister.

सुश्री उमा भारतीः सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो ज्योतिषी की तरह भविष्यवाणी कर दी, लेकिन मैं माननीय सदस्य का बहुत सम्मान करती हूँ। उनकी जो चिन्ता है, वह पूरे सदन की भी है और पूरे देश की भी है। मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य और माननीय सदन को यह आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मोदी जी की सरकार ने पहली बार टाइमलाइन दिया और ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Silence, please.

सुश्री उमा भारतीः उस टाइमलाइन को meet करने के लिए, उस टाइमलाइन तक पहुँचने के लिए जो अड़चनें थीं, वे दूर की हैं। इससे पहले 29 सालों में, GAP-I, GAP-II, NGERBA और NMCG को मिलाकर 4,000 करोड़ के काम हो पाए थे, लेकिन एकाध को छोड़कर कोई भी काम कम्प्लीट नहीं था। अगर वे कम्पलीट हुए भी थे और STP बन गए थे, तो नेटवर्क के साथ उनके कनेक्शंस नहीं थे। अब पहली बार हमने नये प्रयोग शुरू किए और वे नये प्रयोग धरातल पर आ गए। उनमें टेंडर्स हो गए, कई approved हो गए, कई release हो गए। मैं आपको यह बताना चाहती हूँ कि माननीय प्रधान मंत्री जी ने गंगा के बारे में कई योजना का जब पहला प्रेजेंटेशन लिया, तो उन्होंने मुझसे दो प्रश्न किए, जो मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूँगी। माननीय प्रधान मंत्री जी के यही प्रश्न थे कि जिस काम में 29 साल लग गए, उसके कारण क्या थे और आगे वह काम जल्दी हो सके, इसके समाधान के लिए तुम्हारे मंत्रालय ने क्या विचार किए हैं?

जो समाधान हमने उनके सामने प्रस्तुत किए थे, उन्हीं के अनुसार हमारी EFC हुई, फिर हमारा केबिनेट में एप्रूवल हुआ और अंत में माननीय प्रधान मंत्री जी ने हमें दो चीज़ें सुनिश्चित कीं, बीस हजार करोड़ सेंट्रल सैक्टर्ड फंड गंगाकारी योजना के लिए दिया गया।

MR. CHAIRMAN: Thank you. Question Hour is over. The House is adjourned till 2.00 p.m.